B-4
L-4
Indian Society

भारतीय समाज के प्रमुख लक्षण →

- वर्ण व्यवस्था
- जाति व्यवस्था
- आर्थिक व्यवस्था
- परिवार व्यवस्था – संयुक्त परिवार व्यवस्था।
- विवाह व्यवस्था – हिन्दू विवाह एक धार्मिक संस्कार के रूप में विद्यमान।
- शिक्षा व्यवस्था – धर्म आधारित शिक्षा का प्रचलन और ब्राह्मणों को वैदिक शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार।
- राजनीतिक व्यवस्था – राजतंत्रात्मक राजनीतिक व्यवस्था की प्रधानता और ग्राम पंचायत की प्रमुख भूमिका।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

परम्परागत भारतीय समाज में आधुनिक परिवर्तन →

↓

अंग्रेजों के आगमन के साथ आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार और भारतीय समाज में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ

↓

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारतीय राज्य द्वारा आधुनिक, विकसित, धर्मनिरपेक्ष, विकासित एवं समाजवादी समाज के निर्माण के लक्ष्य को निर्धारित किया गया और इस दिशा में राज्य के नेतृत्व में नौकरशाही व्यवस्था के सहयोग से प्रयास प्रारंभ किया गया।

यह प्रयास निम्न तरीकों से आगे बढ़ाया गया–

(i) संविधान एवं कानून के माध्यम से प्रयास।

(ii) विकास योजनाओं के माध्यम से प्रयास।

(iii) आधुनिक शिक्षा के प्रसार के माध्यम से प्रयास।

परम्परागत भारतीय समाज में आधुनिक परिवर्तन के कारण →

- आधुनिकता के मूल्यों का प्रसार
- सुधार आन्दोलन
- लोकतांत्रिक राज्य द्वारा संविधान, कानून व विकास योजनाओं के माध्यम से प्रयास
- आधुनिक शिक्षा
- औद्योगीकरण एवं नगरीकरण
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का विकास
- वैश्वीकरण एवं संचार क्रांति

(वह ज्ञान जो तर्कसंगत और व्यवस्थित तरीके

से प्राप्त किया गया हो और जो तथ्यों पर आधारित हो और जिसे कभी भी जाँचा जा सके उसे विज्ञान कहते हैं।)

आधुनिक / समकालीन भारतीय समाज के लक्षण →

- विशाल जनसंख्या और जनसंख्या में विविधता।
- विविधता में एकता।
- परम्परा एवं आधुनिकता का सह-अस्तित्व।
- धार्मिक मान्यताओं के साथ धर्मनिरपेक्षता।
- जाति व्यवस्था नवीन रूपों में क्रियाशील।
- वर्ग असमानता और आर्थिक आधार पर ऊँच-नीच का भेदभाव।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform